इदलबि, सीरयिाई युद्ध हेतु अंतमि वकिल्प

संदर्भ

हाल ही में रूस के राष्ट्रपति व्लादमिीर पुतनि और उनके तुर्की समकक्ष रसेप तय्यपि एर्दोगान के बीच इदलबि को आतंकवादी हमले से बचाने के लयि समझौता कयिा गया है। उल्लेखनीय है कि है यह सीरयिा में अंतमि स्थान है जहाँ सरकार वरिोधी तथा आतंकवदी गतविधियिाँ जारी हैं। इस समझौते के अनुसार, रूस और तुर्की इदलबि के आतंकवादियों और प्रशासनकि बलों के बीच एक असैन्य ज़ोन के माध्यम से संपर्क स्थापति करेंगे, उम्मीद है कि इससे मानवतावाद के समक्ष उत्त्पन्न संकट को रोका जा सकेगा।

इदलबि शहर

- इदलबि, सीरयिा के उत्तर-पश्चमिी भाग में स्थति एक शहर है और इस पर सीरयिाई सरकार द्वारा शासन चलाया जाता है तथा यह अलेप्पो से 59 कलिोमीटर दूर दक्षणि-पश्चमि में स्थति है।
- कई महीनों से इदलबि पर युद्ध के बादल छाए हुए थे, तीन साल से अधकि समय तक यह शहर सीरयिाई सरकार के नयिंत्रण से बाहर रहा है। हाल ही में राष्ट्रपति बशर अल-असद ने वास्तव में यहाँ चल रहे गृहयुद्ध में जीत हासलि की है।
- दरअसल, तब से यहाँ शासन ने अलेप्पो, दारा और पूर्वी घौता समेत अधकिांश प्रमुख जनसंख्या वाले केंद्रों को फरि से हासलि कर लयिा है जो प्रमुख रूप से आतंकवादियों के कब्ज़े में थे।
- सरकारी नयिंत्रण के बाहर स्थति इन तीन क्षेत्रों को इस प्रकार वभिाजति कयिा जा सकता है: पहला क्षेत्र इदलबि शहर है, जो आतंकवादियों और जहिादी समूहों द्वारा नयिंत्रति है, वहीं दूसरा क्षेत्र कुर्दस्तिान का है जसि पर कुर्द वद्रिोहयिों का नयिंत्रण है और ये दमश्कि के शत्रु नहीं हैं, बल्कि अधकि स्वायत्तता चाहते हैं तथा तीसरे क्षेत्र के अंतर्गत अफरीन तथा जराबुलस जैसे सीमावर्ती कस्बे शामलि हैं जो तुर्की के नयिंत्रण में हैं।

सीरयिाई गृहयुद्ध हेतु स्पष्ट और आखरिी वकिल्प इदलबि

- उपर्युक्त क्षेत्रों में शासन के पास कुर्दों पर हमला करने की कोई तत्काल योजना नहीं है, क्योंकि उन्हें अमेरकिा का समर्थन प्राप्त है।
- साथ ही सीरयिाई सरकार तुर्की पर हमला कर एक बड़ा युद्ध का जोखमि नहीं उठा सकती है।
- जाहरि है कि अगली लड़ाई या शायद सीरयिाई गृहयुद्ध के लयि स्पष्ट और आखरिी वकिल्प इदलबि ही था।
- उल्लेखनीय है कि हाल ही में रूस और तुर्की के बीच हुए समझौते के आधार पर ईरान ने भी इस योजना का समर्थन कयिा क्योंकि वह चाहता है कि बशर अल-असद पूरे सीरयिा में अपना अधकिार दोबारा स्थापति करें।
- ये प्रांत सीरयिाई राष्ट्रपति बशर अल-असद को सत्ता से हटाने की कोशशि कर रहे वद्रिोहयिों और जहिादी गुटों का आख़रिी गढ़ है।
- संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि इदलबि में लगभग 29 लाख लोग रहते हैं जनिमें से करीब 10 लाख बच्चे हैं और इस शहर में रहने वाले अधकितर लोग वद्रिोहयिों के कब्ज़े वाले अन्य इलाकों से भागकर आए हैं।
- दरअसल, जैसे-जैसे सरकार वद्रिोहयिों के ठकिानों पर जीत हासलि करती गई, वहाँ के लोग भागकर इदलबि आकर बस गए।
- उम्मीद जताई जा रही है कि अगर इदलबि में वद्रिोहयिों को ख़त्म कर दयिा गया तो उनके पास सीरयिा के भीतर बहुत कम इलाके बचेंगे और इस प्रकार इदलबि में वद्रिोहयिों की हार उनका अंत साबति हो सकती है।

तुर्की की भूमकिा

- गृहयुद्ध की पछिली लड़ाई में रूस ने इस क्षेत्र में अपना नयिंत्रण स्थापति कर लयिा था। अलेप्पो और पूर्वी घौता में रूसी युद्धक वमिान द्वारा की गई बमबारी शासन की जीत के लयि महत्त्वपूर्ण थी लेकनि इदलबि में स्थति अलग है।
- पछिले दो वर्षों से रूस और तुर्की का एक-दूसरे के साथ संबंध ठीक नहीं हैं और पछिले साल रूस, तुर्की और ईरान इदलबि के लयि एक डी-एस्कलेशन योजना पर सहमत हुए, जसिने प्रांत को रूसी-सीरयिाई हमलों से बाहर रखा था।
- इस समझौते की शर्तों के अनुसार, तुर्की द्वारा फ्रंट लाइन पर 12 अवलोकन अंक स्थापति कयि गए और जो लोग शासनाधकिार क्षेत्रों के तहत नहीं रहना चाहते थे उन्हें इदलबि में शामलि कयिा गया था।
- वर्तमान में इस प्रांत में लगभग तीन मलियिन नविासी हैं और उनमें से से भी आधे से अधकि आंतरकि रूप से वस्थिापति लोग हैं।
- तुर्की, जसिमें पहले से ही 5 मलियिन सीरयिाई शरणार्थी हैं, को डर है कि इदलबि पर एक पूरी तरह से हमला एक और बड़े पैमाने पर शरणार्थी प्रवाह को उसकी ओर धकेल देगा।
- इदलबि में जहिादियों की एक बड़ी संख्या हयात ताहरि अल-शम (HTS) की है, पूर्व में जबात अल-नुसर जो कि सीरयिा में अल-कायदा सेना थी, प्रांत के सबसे शक्तशिाली आतंकवादी समूहों में से एक है।

- इसके अलावा, इदलिब तुर्की के साथ सीमा भी साझा करता है, जो अब बंद है और युद्ध की स्थिति में शरणार्थी तुर्की सीमा में या पड़ोसी अफरीन और जराबुलस क्षेत्रों में जाएंगे, जो तुर्की द्वारा ही नियंत्रित होते हैं।
- अतः किसी भी स्थिति में, इदलिब पर हमले से तुर्की को खुद संकट का सामना करना पड़ेगा। दरअसल, अभी तक 2016 से जारी आतंकवादी हमलों की शृंखला खत्म नहीं हुई है इसलिये तुर्की की रुचि भी इदलिब के लिये एक अहिंसक समाधान खोजने की है।

रूस की भूमिका

- दूसरी तरफ, रूस दुविधा में है और वह चाहता है कि असद गृहयुद्ध को जीतने के लिये सीरिया में वैध रास्ते का चयन करें। लेकिन रूस यह भी जानता है कि अलेप्पो और पूर्वी घौता के अभियानों से पहले ही स्थिति बिगड़ चुकी हैं और इदलिब की आबादी को देखते हुए अगला युद्ध अधिक विनाशकारी होगा।
- इसके अलावा, रूसी राष्ट्रपति के साथ संबंधों को तरजीह दी है। उल्लेखनीय है कि तुर्की, जो नाटो का सदस्य है, का संबंध अमेरिका के प्रति तेज़ी से शत्रुतापूर्ण हो रहा है,
- उपर्युक्त वैचारिक कारणों से रूस पश्चिम एशिया के मामलों में संलग्न नहीं हो रहा है।
- रूस ने ईरान और इज़राइल दोनों के साथ अपने मज़बूत संबंध बनाए हैं और तुर्की के साथ बढ़ती साझेदारी इस क्षेत्र में उसके शक्ति परीक्षण के लिये महत्त्वपूर्ण है क्योंकि तुर्की के साथ शत्रुता रखकर रूस की बोस्पोरस तक पहुँच स्थापित नहीं हो पाएगी और इससे रूस की भूमध्य रणनीति भी खतरे में आ सकती है।
- आगे की राह
- इदलिब समझौता महत्त्वपूर्ण तो है लेकिन इसने संकट के लिये कोई यथार्थवादी समाधान नहीं दिया है क्योंकि समस्या का मुख्य कारण इदलिब में HTS की उपस्थिति है।
- संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, इदलिब में लगभग 15,000 HTS सेनानी हैं। सरकार की योजना HTS और तुर्की समर्थित विद्रोहियों सहित सभी आतंकवादी समूहों पर हमला करना है और इस प्रकार वह अलेप्पो प्रांत को फिर से अपने कब्ज़े में लाना चाहता है।
- न तो सीरियाई सरकार और न ही तुर्की अल-कायदा से जुड़े समूह को इदलिब में एक सुरक्षित आश्रय प्रदान करने की अनुमति दे सकते हैं।
- हालाँकि, तुर्की ने HTS सेनानियों से अपने संगठनात्मक शक्ति को बढ़ाने के लिये अहिंसक रणनीति का उपयोग करने का प्रस्ताव किया है।
- इसके साथ ही वर्तमान समझौते को लागू करने का बोझ भी तुर्की पर ही है जिसके लिये प्रस्तावित असैन्य क्षेत्र से विद्रोहियों के भारी हथियारों की वापसी और प्रांत के अंदर HTS को हराने के लिये एक मज़बूत रोड मैप तैयार करना ज़रूरी है और यह बहुत आसान नहीं है।
- यदि तुर्की अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में विफल रहता है, तो रूस को उसकी मूल योजना यानी अलेप्पो मॉडल (जिस तरह अलेप्पो शहर से आतंकवादियों को खदेड़ा और इस शहर में शांति स्थापना हेतु भारी विध्वंश का मार्ग चुना गया) पर वापस जाने का बहाना देगा और यह एक और विध्वंश का कारण भी बनेगा।
- अतः कहा जा सकता है कि पुतिन-एर्दोगन समझौते ने भले ही एक युद्ध को स्थगित कर दिया हो, लेकिन इससे युद्ध का संकट खत्म नहीं हुआ है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/idlib-the-final-frontier